



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

मार्च 2015

सं० 254]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 25, 1988/अग्राहायना 4, 1910

No. 254] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 25, 1988/AGRAHAYANA 4, 1910

Separate Faging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 81 आई टी सी (पी एन)/88—91

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 1988

विषय:—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा विस्तारित आसाम गैस टरबाइन पावर स्टेशन और नीपको की ट्रांसमिशन लाइन कंस्ट्रक्शन परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 43.552 येन बिलियन के येन क्रेडिट के अधीन उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

काइल सं. आई पीसी सी/23(49)/88—91, जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा विस्तारित आसाम गैस टरबाइन पावर स्टेशन और नीपको की ट्रांसमिशन लाइन कंस्ट्रक्शन परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 43.552 येन बिलियन के येन क्रेडिट के अधीन आयात को शासित करने वाली शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, सूचना के लिए प्रचिन्नीकृत की जाती हैं।

हस्ताक्षरित

के. बी. हरनीराया, मुख्य नियंत्रक,  
आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 81 आई टी सी (पी-एन)/88—91 दिनांक 25-11-88 का परिशिष्ट

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा प्रदान किए गए आसाम गैस टरबाइन पावर स्टेशन और नीपको की ट्रांसमिशन लाइन कंस्ट्रक्शन परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 43.552 येन बिलियन के येन क्रेडिट के अधीन उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड-1 सामान्य शर्तें

I. (i) प्रथम गैस टरबाइन पावर स्टेशन और नीपको की ट्रांसमिशन लाइन कंस्ट्रक्शन परियोजना के कार्यान्वयन के लिए जापान सरकार ने ओ ई सी एफ द्वारा 43.552 येन बिलियन के येन क्रेडिट प्रदान किया है, जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :—

(i) ओ ई सी एफ ऋण सं. आई डी पी 42,  
दिनांक 18-3-87 30.000 येन बिलियन

(ii) ओ ई सी एफ ऋण नं. आई डी 46,  
दिनांक 10-2-88 13.552 येन बिलियन

कुल

43.552 येन बिलियन

परियोजना की आयात आवश्यकताओं का वित्तपोषण करने के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा दिया गया 43.552 बिलियन येन का येन क्रेडिट जापान और भारत सहित विकासशील देशों के लिए खुला है। तदनुसार, इस क्रेडिट के अधीन

अधिप्राप्त की जाने वाले माल और सेवाएँ जापान और अनुबंध-1 की सूची में उद्भूत (भारत सहित) सभी देशों से आयात की जा सकती हैं। वे देश इस ऋण के अंतर्गत मात्र खोत देन होंगे।

I. (ii) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं मदों और उसी मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशालय, तकनीकी विकास/पूँजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस(सों) केन का मूल्य 47.907 बिलियन (लागत-बीमा भाड़ा) केन से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रूप में मूल्य, राजस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा अधिभूषित विनिमय दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचालित दर और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78 आई टी सी (पी एन) 74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख है कि सीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सों) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनिमय दर पर लाइसेंस मूल्य के नामें डालेंगे। लाइसेंस पर एक कीर्तक "जापानी केन ऋण सं. 42/आई टी पी-46" होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एस/जे सी" कोड होगा भीषणों को आयात लाइसेंस भेजने समय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पत्र में भी इसे दुहराया जाएगा, जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय प्राथिक कामें विभाग (जापान अनुभाग) में पृष्ठान्त की जानी चाहिए।

I. (iii) लागत बीमा-भाड़ा के आधार पर केवल तोषको के नाम में आयात लाइसेंस जारी किया जा सकता है।

I. (iv) आयात की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन कुल मूल्य केन 47.907 बिलियन (लागत बीमा भाड़ा) केन से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि उपर पैरा (2) में बताया गया है।

I. (v) आयात लाइसेंस की वैधता में वृद्धि आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और आगे की अवधि तक दी जा सकती है। धारण और वृद्धि करने के लिए तथा आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे प्राथिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

I. (vi) क्रेडिट के अधीन वित्तबान किए जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

I. (vii) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भुगतान भारतीय अधिकर्ता को भारतीय रुपए में किया जाना चाहिए। लेकिन, ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

I. (viii) पहले आदेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को अज्ञात पर निःशुल्क/अज्ञात और भाड़ा के आधार पर किए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर प्राथिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। भाड़ा बीमा प्रसार का भुगतान भारतीय रुपए में भारत देय होगा। "पहले आवेदनों" का अर्थ विदेशी संभरकों को भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन क्रय आदेशों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित क्रय संबंध होगा। विदेशी संभरक के भारतीय अधिकर्ताओं के आदेश या ऐसे भारतीय अधिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं हैं।

I. (ix) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों की इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के

पूर्ण वस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय, प्राथिक कार्य विभाग, वस्तु ई-1 अनुभाग को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा-1 (8) में यथा उल्लिखित पहले आवेदन चार महीनों के भीतर वैध कारणों से जहाँ दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आवेदन क्यों नहीं दिए जा सकते हैं इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आवेदन देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, प्राथिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदाधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों में बैंक गारण्टी साक्ष्य स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र तैय्य करना करना आदि की स्वीकृति की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

I. (x) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान अवश्य पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलवान पर प्रलग-प्रलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात् पोतलवान वस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात् पोतलवान वस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किन्म की श्रृंखला सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के भीतर ठेके में निम्न-लिखित व्यवस्था होनी चाहिए:—

"साथ पत्र की प्राप्ति के साथ ————— महीने परन्तु अधिक से अधिक ————— के अंत तक पूर्ण किया जाता है।

पोतलवान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31.12.1992 के बाद की न हो। खण्ड-2 संभरण ठेके का समझौता करने समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें:—

2(1) ठेका का अज्ञात पर्यन्त निःशुल्क मूल्य केन में (केन की भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होने चाहिए और इसमें भारतीय अधिकर्ता का कमीशन यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपए में चुकाना चाहिए।

भारतीय रुपए या किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। क्रय आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) ऋण की रकम से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी माल को और खोत ऋण के अंतर्गत अधिप्राप्ति के लिए सार्ग वॉन विष्णुओं अनुसार निम्नलिखित सम्पूरक शर्तों के साथ किए जाएंगे:—

(क) कम से कम 500 मिलियन केन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं खोतों की अधिप्राप्ति के मामले में:—

(1) यदि पूर्ववर्ती सहित औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से निम्न अधिप्राप्ति की प्रक्रिया का विकल्प लिया जाता है तो उसकी पद्धति के अनुमोदन के लिए ओ ई मो एक को आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उससे पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सकल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ ई सी एफ को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ पूर्व भर्त्ता की मूल्यांकन रिपोर्ट बोलीकार को दिए गए नोटिस और अनुदेश, बोली प्रपत्र, प्रस्तावित ठेका विशिष्टीकरण और ड्राइंग और बोली से संबंधित अन्य दस्तावेज ओ ई सी एफ को भी पुनर्गता के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 500 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के मान और सेवाओं की अधिसूचित के मामले में ठेके के निर्णय के लिए ओ ई सी एफ के पूर्व अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा की खेपें उचित रूप से विभाजित की गई हों। लेकिन यदि ओ ई सी एफ अनुरोध करे तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट प्राप्ति उसको पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) जब परामर्शदात्री फर्मों की नियुक्ति की जाए तो ऐसी फर्मों निम्नलिखित सभी शर्तों को पूरा करेंगी :-

- (1) दिए गए शेषों का मुख्य भाग पात्र स्रोत देशों के नागरिकों के होने चाहिए।
- (2) पूर्णकालिक निदेशकों में से अधिकतर पात्र स्रोत देशों के नागरिक होने चाहिए।
- (3) ऐसी फर्में पात्र देशों में शामिल होने चाहिए और पंजीकृत होनी चाहिए।

(घ) परामर्शदाताओं की नियुक्ति के लिए निम्नलिखित दस्तावेजों के लिए ओ ई सी एफ का पूर्व अनुमोदन भी प्राप्त कर लेना चाहिए :-

- (1) संबंध की शर्तें
- (2) परामर्शदाताओं की संक्षिप्त सूची
- (3) प्रामाण्य-पत्र
- (4) संक्षेप मूल्यांकन शीट सहित मूल्यांकन रिपोर्ट ड्राफ्ट संविदा
- (5) ड्राफ्ट संविदा

(ङ) निम्नलिखित घोषणा जो परामर्शदाता का पात्रता के बारे में है परामर्शदाता द्वारा हस्ताक्षरित किया हुआ और तारीख अंकित किया हुआ प्रत्येक संविदा के साथ लगाया जाएगा :-

"मैं प्रधोहस्ताक्षरी एतद्वारा यह प्रमाणित करता हूँ कि ----- (फर्म) का नाम ----- (संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) में शामिल की गई है, और पंजीकृत है और वह ----- संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम (के राष्ट्रियों द्वारा रखे गए समर्पित शेषों की ----- प्रतिशत) की पात्र परामर्शदात्री फर्म है और वह (संबंधित पात्र स्रोत देशों का नाम) के राष्ट्रियों होने के नाते पूर्णकालिक निदेशकों का ----- प्रतिशत (./.) है।

(च) आयातक उपर्युक्त (क) (1), (क), (2) और (ङ) और (घ) में उल्लिखित आवेदन पत्र/दस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा ओ ई सी एफ को भेजे जाएंगे।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उसके नाम में भारतीय बैंक टोकियों द्वारा 1985-86 के लिए ओ ई सी एफ के क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई डी पी 42 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साख-पत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए। ब्यौरा नीचे खण्ड-7 में दिया गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है जिसके लिए आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि के तुरन्त बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनु-भाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

## 2(5) संभरक की पात्रता

संभरक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रियों होने या पात्र स्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रियों द्वारा शासित वेध व्यक्ति हो।

## 2(6) अवात स्रोत देशों से अनुमेष आयात

जिन वस्तुओं में अवात स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका वित्तवान किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद प्रति एकक का मूल मद्धार आधार पर आयातित का 30 प्रतिशत से कम हों :-

$$\frac{\text{आयातित मागत बीमा भाड़ा आयात मूल्य}}{\text{संभरक का जहाज पर नि. मूल्य मूल्य}} \times 100$$

(भारतीय संभरक के मामले में, कारखाना मूल्य अपनाया जाएगा)

## 2(7) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी :-

"मैं प्रधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल ----- (संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।

"मैं प्रधोहस्ताक्षरी आने यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अवात स्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 30 प्रतिशत से कम है :-

$$\frac{\text{आयातित मागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात मूल्य}}{\text{संभरक का जहाज पर नि. मूल्य मूल्य}} \times 100$$

(जहां कारखाना मूल्य लागू हो)

"मैं प्रधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि ----- (पात्र स्रोत देश का नाम) में -----

(कम्पनी का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो चुकी है।

## खण्ड-3 संभरक ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें:

3(1) संभरकों ठेकों में निम्नलिखित पावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच थासाम गैस टरबाइन पावर स्टेशन और ट्रान्समिशन मिशन लैंडिग कंस्ट्रक्शन परियोजना के लिए येन क्रेडिट सं. आई डी पी-42 और आई डी पी 46 दिनांक 10.2.88 (परियोजना सहायता) से संबंधित 18 मार्च, 1987 को हुई अण समझौते के अनुसार होगी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरकों को भुगतान, भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच येन क्रेडिट सं. आई डी पी 42 से संबंधित 18 मार्च, 1987 को हुई अण समझौते के अन्तर्गत बैंक आफ इंडिया टोकियों द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ ई सी एफ द्वारा येन अण के अधीन अपेक्षित हों।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र प्रमाण पत्र (तीन प्रतियों में)

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय हस्ताक्षर, टोकियों के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिए

सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय वृत्तावास, टोकियो को शामिल माल की सुपुर्दगी के कार्यक्रम से भ्रगत कराएगा और पोतलदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय वृत्तावास की सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में जहाँ भारतीय आयातक इच्छुक हों, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् आवश्यक व्योरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय वृत्तावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4 ओ ई सी एफ द्वारा ठेके की पुनरीक्षा :

4(1) लाइसेंसधारी को पक्के आवेदन देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विदेशी संभरकों दोनों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां जो विदेशी संभरकों द्वारा लिखित में पुष्टि आवेदन के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियां संगत वैध आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियों सहित और परिशिष्ट-2 के प्रपत्र में "प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन की दो प्रतियां प्राधिकार विभाग को भेजी जानी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि सभी ठेकों के लिए और ठेकों की विधय वस्तु के लिए अनिवार्य प्रायोगिकों के कारण संशोधनों या उनकी कीमतों पर भी लागू होगी।

4(3) वित्त मंत्रालय (प्राधिकार कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस ओ ई सी एफ की पुनरीक्षा के लिए भेजेगा। ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक एक प्रति प्राधिकार कार्य विभाग द्वारा भारतीय वृत्तावास टोकियो को और आयात लाइसेंस की फोटो कापी और "प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन" की एक प्रति के साथ सी ए ए एफ के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड-5 विदेशी संभरकों को भुगतान-साथ पत्र क्रियाविधि :

5(1) वित्त मंत्रालय, प्राधिकार कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक बैंक आफ इंडिया को टोकियो शाखा को संबोधित संलग्न अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा। जिसमें बैंक आफ इंडिया की टोकियो शाखा संबंध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र छोलेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियां ओ ई सी एफ भारतीय वृत्तावास टोकियो, प्राधिकार कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए) लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साक्ष्य पत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी प्राधिकार सहाययोग निधि (ओ ई सी एफ) भारतीय वृत्तावास टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी ए ए एफ से प्राधिकार पत्र के आधार पर साक्ष्य पत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र साक्ष्य पत्रों के संशोधनों पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोतलदान करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकरी के माध्यम से साक्ष्यपत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा जो वह दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकरी के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी प्राधिकार निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साक्ष्य पत्र खोलने, उनके घटती सीमा करने और यदि कोई विदेशी संभरकों के बैंकरी के अन्य प्रभारों के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को देय बैंकिंग प्रभार आयातक विदेशी संभरकों द्वारा चुकाए

जावेगे। संविदा मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) के बराबर धनराशि की प्राप्ति होने पर ओ ई सी एफ द्वारा एक बचनबद्धता पत्र जारी किया जाएगा। यह धनराशि ओ ई सी एफ द्वारा (नृण निधियों से स्वतः भरा की जाएगी।

आयातक को ओ ई सी एफ से या लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर बचनबद्धता खर्च के इस पत्र के मुख्य रूप या भारत सरकार के लेखों में जमा कराना पड़ेगा। ओ ई सी एफ को भुगतान की तिथि से और उपर्युक्त जमा करने की तिथि तक (दोनों दिन मिलाकर) का व्याज भी आयातक द्वारा बालू दर पर भरा किया जाएगा।

आयातक द्वारा इस प्रकार 0.10 प्रतिशत के खर्च की प्रतिपूर्ति प्रक्रिया के अधीन देय है। विदेशी संभरकों आयातों की लागत के भुगतान की तिथि से ओ ई सी एफ द्वारा प्रतिपूर्ति की तारीख तक की गिने जाने वाली अवधि के लिए भारतीय बैंक, टोकियो को देय व्याज के खर्च भारत के संबद्ध आयातक बैंक द्वारा भारत के लेखों को प्रभारित किए बिना सामान्य बैंकिंग चैनल के माध्यम से भारतीय बैंक, टोकियो को दे करके तय किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं के वितरण के लिए प्रक्रिया नृण समझौते की प्रति पूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड-6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व :

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतित अनुसार आयातक के प्राधिकार बैंक को निरपवाद रूप से परकाय्य जहाज रानी दस्तावेज रिहा होने से पहले इस बात का सुनिश्चित करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक सीस हजारी, दिल्ली में रुपया निक्षेप कर दिया गया है। प्रथम 30 दिनों के लिए समय-समय पर से बालू, वर्तमान 12 प्रतिशत प्रति वर्ष के हिसाब से गिनी गई येन भुगतान के समतुल्य रुपये के लिए व्याज प्रभार और उससे अधिक की अवधि के लिए वास्तविक रुपया निक्षेप की तारीख से विदेशी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तारीख तक 18 प्रतिशत की दर से प्रभार भी मूल धनराशि के साथ सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार जमा कराने पड़ेंगे। इस बात को ध्यान में रखकर लिया जाना चाहिए कि इन दोनों दिनों अर्थात् जिस तारीख को भुगतान किया जाता है और जिस तारीख को सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83 दिनांक 10-8-83 द्वारा यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 के अनुसार व्याज लिया जाएगा।

आयातक की संभरक को किए गए भुगतान की धनराशि और तारीख का निश्चय करने के लिए माल से व्यवस्था करनी चाहिए। भारतीय बैंक टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोतपरिवहन प्राप्ति दस्तावेजों की वेरी से प्राप्ति को रुपया निक्षेप पर देय व्याज की प्राप्ति और पूरी धनराशि की छूट के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा। विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनाई जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109-आई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 3-8-74 और सं. 8-आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 17-1-78 में निर्धारित तारीख के अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्री के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेवारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को



आयात वस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयात को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वेध धनराशि अपने वस्तावेजों से वस्तावेजों की सुपुर्दगी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी। कि वेध धनराशि सरकार खाते में ठीक प्रकार से सुरक्षित जमा कर दी है उसे ही जब वे विशेष परिस्थितियों के अंतर्गत सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी मूल वस्तावेजों के बिना प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को वेध धनराशि के माल की सुपुर्दगी से पहले जमा नहीं कर पाता तो प्राप्ति के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बंध दिया कर जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को प्राप्ति और आयात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा कोष में उक्त धनराशि जमा निवेश किया जाएगा वह (के बिपोजिटल एण्ड एडवांसिज-843) निबिल बिपोजिटल फार परचेजिज एंड स्ट्रुक्चर क्रेडिट्स कोन एप्रोमेंटस) वान फोम दि गवर्नमेंट आफ जापान येन क्रेडिट सं. आई डी पी 42 आई डी पी-46 फार दि आसाम गैस टरबाइन पावर स्टेशन एण्ड ट्रांसमिशन लाइन केन्स्ट्रक्शन प्रोजेक्ट होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीसरावारी दिल्ली में बालान के ऊपर दाहिनी ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार की भाषा में सार्वजनिक सूचना सं. 184-आईटीसी (पीएन) 68 दिनांक 24-10-1968, सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71 दिनांक 5-10-71, सं. 74-आईटीसी (पीएन)/74 दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-75 में प्रकाशित करने में जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाते के बाद सात दिनों के भीतर संबंध भारत में आयातक का बैंक को ऊपर निर्धारित तरीके से यह अनिवार्य धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। बालान के विभिन्न कालों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 के पैरा-2 में निर्धारित सूचना सं. बालान के कालम "धन परेषण और प्राधिकारी" (यदि कोई हो) के पूर्ण ध्येयों में निरपवाद रूप से भविष्य किए गए हैं। खजाना बालान में निम्नलिखित व्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिसंकेत की दर के साथ निशेध किए जाने हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सी ए ए एण्ड ए द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संदर्भ देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन वस्तावेजों को संलग्न करने हुए खजाना बालान रुपया जमा करने का साध्य वेने हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी ए ए एण्ड ए को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:— भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि वेध का निशेध भारतीय रिजर्व बैंक टोकियो की प्रदायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलघन वस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी ए ए एण्ड ए वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में संबंध भारतीय बैंक की लाइसेंस की मुद्राविनिमय नियंत्रण प्रति पर रुपया निशेधों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजना चाहिए।

## खण्ड 8-विधिव व्यवस्थाएं

8(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट।

आयातक का पोतलघन और उसके अधीन किए गए भुगतान और वेध धनराशि के बारे में साक्ष्यपत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता सेवा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यूजीओ बैंक बिल्डिंग संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

8(2) संभरकों को विशेष शर्तों के बारे में अधिसूचित करना।

लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उभ विशेष उप-बन्धों से संभरक को प्रथमतः करा देना चाहिए जो माल के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

8(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा जो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबन्ध-2 में भुगतान की शर्तों के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद के निपटान से संबंध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

8(4) भविष्य में अनुदेश आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या आपानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौते (परियोजना सहायता) सं. आईटीसी-42 और आई डी पी-46 के अधीन सभी स्थानों प्राधारों को विदेशी आर्थिक निधि, आपान (ओ ई सी एफ) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निदेशों, अनुदेशों, या आदेशों का लाइसेंसधारी को सुरक्षित पालन करना होगा।

8(5) भतिक्रमण या उल्लंघन

उपयुक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के भतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाए।

8(6) अनुबन्धों की सूची

1. अनुबन्ध-1 पाठ्य स्रोत देशों की सूची।
2. अनुबन्ध-2 प्राधिकारपत्र जारी करने के लिए अनुरोध।
3. अनुबन्ध-3 प्राधिकारपत्र का प्रपत्र।
4. अनुबन्ध-4 साक्ष्यपत्र का प्रपत्र (आवृत्तिक आयातों के लिए लागू)।
5. अनुबन्ध-5 साक्ष्यपत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)।

अनुबन्ध-1

पाठ्य देशों की सूची

(क) विकासशील देश तथा उनके क्षेत्र।

(क-1) विदेशी आर्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश।

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा मिश्र

2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा

अंगोला  
केमेरोन  
नाउ  
मध्य गिनी (1)  
भाना  
कीनिया  
मालागासी गणसंघ  
मार्तिनिया, मारीशस  
पुर्तगाली गिनी रि  
टोण्डा

सेनेगल से  
सोमात्रियम  
टेरी आफर्मे ग्रीह इस्सगत  
तंजानिया गणतंत्र संघ  
जाम्बिया  
मोरोको  
बाल्सवाना  
केप वर्डी द्वीप समूह  
कमोरो द्वीप समूह  
इथोपिया  
गिनी  
लेसोथो  
मालावी  
मोजम्बिक  
रिपूनियन  
सेन्ट हेलेना और  
बेप (2)  
सेचेलिज  
सूबान  
टोंगा  
अपर वोल्टा  
तुनीशिया  
बुरुण्डि  
केन्द्रीय अफ्रीका गणतंत्र  
कॉंगो, ब्राह्मसे का गणतंत्र  
जाम्बिया  
ग्राइवेरी कोस्ट  
साइबेरिया  
माली  
माइबर  
रोडेसिया  
साओ टोस और  
प्रिन्सम  
सिगरा मिन्नोन  
स्वाजीलैण्ड  
यूगाण्डा  
जाहरे गणतंत्र

### 3. अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय

बेहमास  
बरमूडा  
डोमिनिकन गणतंत्र  
ग्वाटेमाला  
जमैका  
नीबर्लैण्ड अण्टिलीज  
बारबाडोज  
कोस्टारिका  
एल सालवाडोर  
हेली  
हाटिनिक  
मिकारागुवा  
नेलरुज  
न्यूबा  
गुबाडे सो  
होम्बरस  
मैक्सिको  
पनामा

सेन्ट पियरो और मिकेलान ट्रिनीडाड और टोबागो, वेस्ट इंडीज (भारत)-  
एचवाईई।

(क) सह-संघ राज्य (1)

(ख) आश्रित (2)

(1) पहले गिनी का प्रदेश, फरोल्डा पो द्वीप सहित

(2) निम्नलिखित द्वीगों सहित :—

असेरगन, स्तन्डा इन एसोसिएजन्स, लाइटिनोले, गक।

(3) मुख्य द्वीप समूह, अरवा, मोनाइरे, कपूरकोओ, साहा, सेन्ट

### 4. दक्षिणी अमेरिका

अर्जेन्टीना  
गिनी  
प्रेन्च गुयाना  
पीह  
बोसिबिया  
कोलम्बिया  
गुयाना  
सूरिनाम  
ब्राजील  
फाल्क लैंड द्वीप समूह  
पराग्वे  
उरुग्वे

### 5. मध्य पूर्वी एशिया

बेहरीन  
लेबनान  
यूनाइटेड अरब एमिरात (3)  
अजराइल  
ओमान  
यमन अरब गणतंत्र  
जोर्डन  
तिरिआई अरब गणतंत्र  
यूमेन जनवादी का शी.  
मर. (4)

### 6. दक्षिण एशिया

अफगानिस्तान  
बर्मा  
नेपाल  
बांगला देश  
भारत  
पाकिस्तान  
भूटान  
माल द्वीप  
श्री लंका

### 7. सूदूर पूर्वी एशिया

बरनी  
कोरिया गणतंत्र  
मलेशिया  
ताइवान  
दि तनाम गणतंत्र  
हॉंगकांग  
लाओस  
फिलिपाइन  
थाइलैण्ड

बिद्यतनाम देन गणसंख	1. मुख्य द्वीप एन्टिगुवा, डोमिनिका, ग्रेनेडा, सेन्ट किट्स (सेन्ट किट्स-फो) नेविस-अंगुइला, सेन्ट लूसिया और सेन्ट विन्सेन्ट।
अमेर गणसंख	(2) मेन आइलैण्ड, मोन्सेरत, सेमान, तुर्की और काइकोस और त्रेटिग बरजिन द्वीप समूह।
मकाओ	(3) भजमन, दुबई, फुजाइरन, राम भन सेमाह, जरजाह और उम भन नवेबे।
सिंगापुर	(4) भवम और विभिन्न मलननत और भमीरात सहित।
तिमोर	(5) सोनापटी आई लेडस समूह (ताहिती सहित) को शामिल करते हुए आस्ट्रेल द्वीप समूह, टुआमोट, जाम्बियर मुप और माकेसस द्वीप समूह।
8. ओमिनिया	(6) पैसिफिक द्वीप समूह की ट्रस्ट प्रवेश, कारोलीन द्वीप समूह, मार्शल द्वीप समूह और गेरिना द्वीप समूह (नाम को छोड़कर)।
कोक द्वीप समूह	(क-2) ओ. पी. ई. सी. देशों के संघ के सदस्य देश।
फेमिसी पोलिनेशिया (5)	मलदीविया
न्यू हेब्रिस (ब्रि. और फ्र.)	ग्रेबोन
पापुवा न्यू गिनी	बेनेजूपसा
वासिस और पुलुना	कुवैत
फिजी	आबु-धाबी
नारु	मोल्डोविया
निम्बू	नाइजीरिया
सोलोमन द्वीप समूह (बा.)	ईरान
पश्चिमी सागोघा	कतार
गिल्बर्ट और इलाइस	इन्डोनेशिया
द्वीप।	लोमियाई अरब गणसंख
नूकेलेन्डोनिया	इक्वेडोर
पौलिफिक द्वीप समूह	ईराक
संयुक्त राज्य (6)	सऊदी अरब
टोंगा	
9. यूरोप	
साइप्रस	
माल्टा	
यूगोस्लाविया	
बिन्नास्टन	
स्पेन	
ग्रीक	
तुर्की	

अनुबन्ध-2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए

प्राचीन-पत्र

संख्या ..... दिनांक .....

सेवा में,

सहायता सेवा सेवा परीक्षा नियंत्रणक,  
वित्त मंत्रालय,  
प्राथमिक कार्य विभाग,  
यू.सी.ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,  
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001.

विषय :- येन क्रेडिट सं. आई डी पी----- (परिवोजना  
सहायता) 198-8 के अन्तर्गत आपात से का आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आई डी पी----- (परिवोजना सहायता) के अर्धीत ----- से  
----- के आयात के संबंध में ----- (बैंक का नाम) ----- जो कि बही होना चाहिए जो नीचे (ड) में सम्बद्ध समुपग्राम संभरक  
के नाम में साब पत्र खोलने के लिए दिया गया है, कि प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित ब्योरे प्रस्तुत करते हैं :-

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता।

(ख) आयात साइसेंस संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तारीख जिस तक वैध है।

(ग) प्राप्ति के तरीके क्या वह सीधेकक्ष या औपचारिक भूले अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है। इसके मामले में यदि कोई कारण हो तो कारण सहित यह संकेतिक होना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय अव्युक्त न्यूनतम तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

- (ब) माल का संक्षिप्त विवरण।
- (क) भान का उद्गम देश।
- (ख) यदि कोई हो तो पात्र से हतर श्रोत देशों से आयातित संघटकों का प्रतिगत।
- (छ) संविदा का कुल जहाज पर निःशुल्क लागत और बाड़ा मूल्य (येन में)।
- (ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)।
- (झ) वास्तविक जहाज पर निःशुल्क/लागत और बाड़ा मूल्य (येन में) जिनके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।
- (झ) समुद्र पार के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं दिनांक।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम, पता और राष्ट्रीयता।
- (ठ) वे भुगतान गतों और मंभावित तिथियां। जिनकी संविदा के अंतर्गत भुगतान वेय होंगे।
- (ड) सुपुर्दगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।
- (द) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किये जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दिखाते हुए)।
- (ण) पोतलदान अनुदेश (बाहनास्तरण/पोर्ट-शिपमेंट को अनुमति दी गई है या नहीं निविष्ट कीजिए।)
- (त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
- (थ) क्या उम्मी लाइसेंस के अंतर्गत संविदा (संविदाएँ) कर दी गई हैं और जाननी प्राधिकारियों को अधिनूविन कर दिया गया है, यदि हाँ तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और बिल मंत्रालय का वह संवर्ध जिसके अंतर्गत ओ. ई. सी. एफ. को इसे अधिनूविन किया गया है।
- (द) क्या साख-पत्र के संभालन और रख-रखाव के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो, को देय बैंक खर्च आयातकों या संभरकों द्वारा वहन किए जाने हैं।
- (घ) आयातक द्वारा बचनबद्धतः :-

"हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और देश में विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समस्तुध कवर को पूरा और सही जमा करने का बचन देते हैं। प्रत्येक निवेस माल (आयातित सामग्री) की सुपुर्दगी सौंपने से पूर्व तत्काल ही धनराशियां जमा कराई जाएंगी। विदेशी राष्ट्रीयता वालों की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामलों में किए गए ज्यों ही विदेशी संभरकों के सम्बद्ध बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित कर दिए जाएं और संभरकों को भुगतान कर दिया जाए, त्यों ही धनराशियां जमा करा दी जाएं।

अनुबन्ध-3

सं. एफ. ....

भारत सरकार  
वित्त मंत्रालय  
आर्थिक कार्य विभाग  
नई दिल्ली,

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,  
टोकियो शाखा,  
टोकियो (जापान)।

विषय:—येन क्रेडिट (परियोजना सहामता) शृण करार सं. प्राई डी पी-के मजीन आयात साख-पत्र खोलने के निः प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 25-3-1980 को दिए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न शरीरे के अनुसार सर्वश्री-----

के नाम में----- येन धनराशि के लिए अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साखपत्र की प्रति आयातक के बैंक ओ ई सी एफ भारतीय वृतावास टोकियो और हमें पुष्टांकित की जाए।

3. साखपत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपको निधि से किया जाएगा। भुगतान के साथ ओ ई सी एफ को आवश्यक दस्तावेज भेज भेजकर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करना चाहिए।

4. विदेशी संभरक को भुगतान करने के बाद आपको (आयातक आपके बैंक का नाम और पता) को मूल पोतलदान परिश्रुत दस्तावेज (मोल तोण पाले) और अतिरिक्त दस्तावेजों का पूर्ण सेट और मगव भुगतान यदि कोई हो तो उसके सहित संभरक को किए गए भुगतानों के लिए क्रेडिट एडवांस की एक प्रति भेजनी चाहिए।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से और ओ. ई. सी. एफ. द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको देय ब्याज प्रभार का निपटान आपके द्वारा भारत सरकार के लेखों को किए बिना सामान्य बैंकिंग सूत्रों के माध्यम से भारत में आयातक के संबद्ध बैंक के साथ किया जाएगा। बैंकों के मध्य खर्च जिसमें साखपत्र खोलने रख-रखाव करने और साखपत्रों को जारी रखने के लिए खर्च भी शामिल है क्योंकि वे भी परक्राम्य दस्तावेजों के संभालन से संबंधित हैं और यदि कोई हो तो विदेशी संभरकों के खर्च भी विदेशी संभरक को ही देने पड़ेंगे और इसलिए आयातक द्वारा उनका भुगतान नहीं किया जाएगा और इसलिए उन्हें सीधे ही संभरकों से प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा ओ. ई. सी. एफ. में नहीं किया जा सकता है।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाती है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।



7. यह प्राधिकार पत्र समुद्रपार संभरकों के नाम में साख पत्र खोलने के लिए है इस मंत्रालय के निशिष्ट प्राधिकार के बिना इस प्राधिकरण के मद्दे खोले गए धागे के नए साखपत्र या साखपत्रों में बाह में संशोधनों का अनुपालन नहीं किया जाएगा।

8. यह प्राधिकार पत्र ..... तक वैध रहेगा।

9. कृपया ठेके से संबंधित सभी पत्राचारों में और भुगतान प्रदर्शित करने वाली एन्वाइस में भी प्रस्तुत अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संख्या का हवाला दें।

भवदीय  
(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक ..... को उनके पत्र सं. ....  
दिनांक के ..... के संदर्भ में।

उत्तरे अनुरोध है कि वे बैंकों से विनियम दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपया निक्षेप आदि जमा कराने का प्रबन्ध करें। अपवाद परिस्थितियों के रूप में यदि माल की डिलीवरी सीधे ही सीमाशुल्क और पतन प्राधिकारियों से मूल पोतलवान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली जाती है, तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही संबंध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप भीषता और उचित रूप से न करने पर लाइसेंस शर्तों के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।

2. (1) आयातक के बैंकर ..... की यह आयात लाइसेंस ..... दिनांक ..... के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के प्रदान पायामों को नियंत्रित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के अन्तर्गत जारी किया जाता है। रुपया लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचना/आदेश का अवलोकन किया जाए और आयात/विदेशी भुगतानों से संबंधित उचित कार्रवाई की जाए।

(2) उत्तमे निवेदन विधा जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो नांख से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपए जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपए की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई.टी.सी. (पीएन)/76, दिनांक 17-1-76 या अथवा ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की तिथि दर पर की जाएगी प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से व्याज जो कि संभरक को भुगतान की तारीख बैंक आफ इंडिया को प्रतिपूर्ति की तारीख और जब समतुल्य रुपए भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाता है उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए चिन्ता गया है। उक्त भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आईटीसी(पीएन)/83 दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा कराना अनिवार्य है। व्याज दोनों दिनों के लिए देय है, अर्थात् यह तारीख जिसकी विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और यह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में जमा करना जाता है। (जब भी इन दर में परिवर्तन किया जाएगा उक्त सूचित कर दिया जाएगा) यह सूचित किया जाता है कि आयातक की सीमा शुल्क निष्पत्ती के लिए आयात दस्तावेजों का मूल भेद दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

ये धनराशिया या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में बालान के दाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दशति हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उक्त व्याज सार्वजनिक सूचना सं. 184-आईटीसी(पीएन)/68, दिनांक 30-8-68, 233-आईटी (पीएन)/68 दिनांक 24-10-1968 132-आईटी सी(पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 सं. 74-आईटीसी(पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 एवं सं. 103-आईटीसी(पीएन)/76 दिनांक 12-10-76 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिवाया जाता है। यह लेखा शीर्ष जिसमें रुपया जमा कराना है "के डिपोजिट्स एण्ड एन्वाइज-843-विनिम डिपोजिट्स-डिपोजिट्स फार परबैजि एटमेटा अप्राइ एंडर परबैजि अन्डरक्रेडिट/लोन एरोमेट्स लोन क्रोय की गवर्नमेंट आफ जापान विनियम येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आईटीसी/कार-1988 है।

जिस मामलों में मुख्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना सं. दिनांक 2-10-68 में यथाउल्लिखित दशति हुण्डो द्वारा प्रेषित करता है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए मुख्य रुपए का पूरा अंश इस विभाग को भेजना चाहिए।

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,  
विदेश मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग),  
पहली मंजिल, यू.सी.ओ. बैंक बिल्डिंग,  
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001.

जिस मामले में मुख्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना सं. दिनांक 2-10-68 में यथाउल्लिखित दशति हुण्डो द्वारा प्रेषित करता है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए मुख्य रुपए का पूरा अंश इस विभाग को भेजना चाहिए।

संभरक को भुगतान की तिथि सं. आई.ओ.ई.सी. एफ. द्वारा उपर्युक्त प्रतिपूर्ति की तारीख तक के बीच के समय के लिए बैंक आफ इंडिया को देय व्याज प्रभाव भीषे ही आपके द्वारा भारत सरकार के लेखों को प्रभावों किए बिना सामान्य बैंकिंग सूचों के माध्यम से भारत में आयातक के बैंक के साथ निपटाए जाएंगे।

1. निर्देशक, ऋण विभाग-2,  
समुद्रपार आर्थिक सहयोग निधि,  
टोक्यो भूडो बिल्डिंग, 4-1, ओहाटेमेजी-1 कॉम्पे,  
पिनेश-क, टोकियो 100, जापान।

3301 G1 13-10

4. भारतीय दूतावास, टोकियो।

5. अवर सचिव, जापान धनुभाग, वित्त मंत्रालय,  
आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

सहयोग,  
(लेखा अधिकारी)

अनुबंध—1

(प्रो. ई. सी. एफ. सी.-1 प्रयत्न)

अपरिवर्तनीय साखपत्र  
(भान के लिए लागू)

विनांक

यह साखपत्र (अ. ए.) और विदेशी

सेवा में

प्रिय महोदय,

आर्थिक महयोग निधि के बीच हुए

ऋण करार सं.

(संभरक का नाम और पता विनांक..... के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए बीजक के पूरे मूल्य के लिए दर्शनी छुण्डी द्वारा उपलब्ध स्क्रम या रकमों के लिए हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. .... घोष दिया है जो ..... येन (..... येन कह सकते हैं) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है। इसे निम्नलिखित दस्तावेज के साथ भेजा जाना है :—

हस्ताक्षरित वाणिज्यिक बीजक

बलीत आन बोर्ड, ममुग्री पोत लवाम बिल जिनमें दिए गए आवेदनों का पूरा सैट हो बैंक पुष्ठांकित एवं चिन्हित "केट एवं नोटिफाई" अन्य दस्तावेज जिनमें ..... से ..... तक सदान का सत्यापन किया गया हो संविदा सं. .... (यदि कोई हो) के संवर्ध में संक्षिप्त विवरण आंशिक पोतलवान स्वीकृत है। वाहानान्तरण स्वीकृति है।

पोतलवान बिल जो ..... से बाद की तिथि का होना चाहिए। आदेशिती को ..... 19..... तक अवश्य प्रस्तुत किया जाने चाहिए।

हम क्रेडिट के अन्तर्गत सभी डाफ्ट और दस्तावेज पर यह अंकन होना चाहिए अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. .... विनांक ..... 19 के अन्तर्गत निकलवाया गया और आवात संवर्ध सं. (संख्याएं) यदि कोई हो, यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एतद्द्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत और इसी शर्तों का अनुपालन करके निकलवाए गए सभी डाफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशिती को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत् स्वीकार किए जायेंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक न कहा गया जाए कि क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एण्ड प्रेक्टिस फार डाक्यूमेंट्स क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इण्टरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स, पब्लिकेशन सं. 290" के अधीन है। सौदा करने वाले बैंक के लिए विदेश अनुदेश :—

1. उपर्युक्त ऋण करार के अन्तर्गत जारी किए गए वचन पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा हमारे भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम वचन देते हैं कि हम सौदा करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार छुण्डी की धनराशि को लौटा देंगे।

2. सौदा करने वाले बैंक को यह बताने हुए हम डाफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सैट और उसके साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजे कि शेष दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा ..... को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी बैंक के खर्चे आयातक-संभरक के लेखे के लिए हैं।

सहयोग,

(.....)  
वाणिज्यिक बैंक

द्वारा .....  
प्रामाणिक हस्ताक्षर

भुगतान शर्तें

यह भुगतान हमारी साखपत्र सं. .... का अभिन्न अंग है।

1. आरम्भिक भुगतान

धनराशि ..... येन जो कि कुल संविदा मूल्य से ..... प्रतिशत है

अपेक्षित दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

2. मध्यवर्ती भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि-----येन जो कि कुल संविदा मूल्य का-----प्रतिशत है।

यथेष्टित दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

3. पोतलदान दस्तावेजों के मध्य भुगतान

धनराशि-----येन जो कि कुल संविदा मूल्य का-----प्रतिशत है।

टिप्पणी :--पोतलदान दस्तावेजों के मध्य पूर्ण भुगतान के मामले में इस संलग्न दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है।

अनुबन्ध--5

(ओ.ई.सी.एफ. एल.सी. प्रपत्र-2)

अपरिवर्तनीय साखपत्र  
(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में

यह साखपत्र ऋणी और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करा सं.-----

(संभरक का नाम व पता)

दिनांक-----

के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम आपसे सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए पूर्ण व्यौरे मूल्य के लिए लाभकारी ड्राफ्ट एट साइट द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं.----- खोल दिया है जो येन-----

(येन

पहले) की कुल धाराशि से अधिक नहीं है।

इसमें संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (संविदा----- और परियोजना-----) के संबंधित दस्तावेजों को तथी करना है सीधा तय करने के लिए ड्राफ्ट----- से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेज अपरिवर्तनीय साखपत्र सं.----- दिनांक----- के अंतर्गत भुना लिए गए हैं, संविहित होने चाहिए, येन कोष्ठ हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत इसकी शर्तों की अनुपालना में भुनाए गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशितों को सुपूर्वी पर विविध स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप में विस्तार पूर्वक न बताया जाए, यह कोष्ठ, "यूनीफार्म कस्टम एर्र प्रोफिटस फार डाक्यूमेंटरी क्रेडिटस" 1974 डिबीजन इन्टरनेशनल बैंडर प्राक कामस नं. 290 के अधीन है।

सोदा करने वाले बैंक को विशेष व आदेश :--

इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और इसके मनोनीत अधिकारी द्वारा जारी किए गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची में के अनुसार किए जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतान के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के अत्रय लाभकारी विवरण की आवश्यकता है।

उपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किए गए वचनबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि केसे अपने भुगतान के लिए प्रतिवृत्ति प्राप्त करने के बाद हम ड्राफ्टों की धनराशि का मोल तोल करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रेषित करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेजों का एक प्रति और भसोदे हमें उसकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही भेजे जायेंगे।

4. इस साख पत्र के अंतर्गत बैंक के सभी खर्चें संभरकों के लेखों के लिए हैं।

भववीय,

(वाणिज्यिक बैंक)

द्वारा-----

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साखपत्र सं.-----; एक अभिलेख भंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान-----

धनराशि-----येन

कुल संविदा मूल्य का-----प्रतिशत है।

प्राश्रित दस्तावेज लाभकारी विवरण की अंतिम भुगतान तिथि

भुगतान वृद्धि

सम्पूर्ण योग की धनराशि—येन  
कुल संविदा मूल्य का—प्रतिशत  
निम्न प्रकार से भुगतान किया जाता है :—

वेत धनराशि	प्रतिशत भुगतान तिथि
येन—	—
पहली किस्त वेत—	—
—	—
—	—

अपेक्षित दस्तावेज (जिन्ही सबका उसके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक—  
संदर्भ—

सेवा में

—  
—

संज्ञक का नाम और पता

संदर्भ :—अज्ञेय करार सं. — के अन्तर्गत — परियोजना से संबंधित —  
के नाम — में — येन के लिए — द्वारा जारी  
किए गए साख्यपत्र सं. —

दिनांक—

में अधोहस्ताक्षरी, प्रतिनिधि (श्री अज्ञेय एतद्वारा — और — के  
बीच समझौता सं. — दिनांक — में विहित भुगतान की शर्तों के — अनुसार  
समुद्रवार आर्थिक सहायता निधि द्वारा — की धनराशि — येन केवल  
प्राप्त करने के लिए, एक निष्पादन विवरण जारी करता है।

( )

(अज्ञेय)

द्वारा —  
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुबंध :—

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न छीट में दर्शाया जाएगा।

## MINISTRY OF COMMERCE

## IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 81-ITC(PN) |88-91

New Delhi, the 25th November, 1988

Subject : Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit of Yen 43.552 Billion for implementation of the Assam Gas Turbine Power Station and Transmission Line Construction Project of NEEPCO extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

File No. IPC|23 (49) |88-91.—The terms and conditions governing import of equipment and services under the Yen Credit of Yen 43.552 Billion for implementation of the Assam Gas Turbine Power Station and Transmission Line Construction Project of NEEPCO extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

Sd/-

K. V. IRNIRAYA,  
Chief Controller of Import & Exports.

Appendix to the Ministry of Commerce Public Notice No. 81-ITC(PN)|88-91 dt. 25-11-1988

LICENCING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES UNDER THE YEN CREDIT OF YEN 43.552 BILLION FOR IMPLEMENTATION OF THE ASSAM GAS TURBINE POWER STATION AND TRANSMISSION LINE CONSTRUCTION PROJECT OF NEEPCO EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND (OECF) OF JAPAN.

## Section I—General Conditions.

I (i) The Govt. of Japan have extended a Yen Credit of Yen 43.552 Billion, through the OECF, for implementation of the Assam Gas Turbine Power Station and Transmission Line Construction Project of NEEPCO as follows :—

- (i) OECF Loan No. IDP, 42 dt. 18-3-87 = Yen 30.00 Billion.
- (ii) OECF Loan No. ID-P, 46 dt. 10-2-88 = Yen 13.552 Billion.

Total = Yen 43.552 Billion

The OECF Loan of Yen 43.552 Billion for financing the import requirements of the Project is untied in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as

have been specifically cleared by the DGTD|CG Committee. The value of Import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 47.907 Billion (CIF).

The rupee value of the Import Licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Deptt. of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)|74 dated the 6th June, 1974; issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P, 42|ID-P, 46". The first and second suffix to the licence code will be "S|JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to NEEPCO a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) Import Licence(s) can be issued only in favour of NEEPCO on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 47.907 Billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension|issue of a fresh import licence may be referred to the Deptt. of E.A. (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB|C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm Order" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the Overseas supplier, duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete



contract documents reach the Ministry of Finance Department of Economic Affairs, (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I (viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of Credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import Licence, from the expiry of the import licence. Individual payment must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :—

“.....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of .....”

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-12-92.

Section II- Special Points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II(i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

- (a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.
- (i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procure-

ment procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

- (ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of prequalification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.
- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation report etc. will be submitted to OECF for its review.
- (c) When consulting firms are employed, such firms shall satisfy all of the following conditions.
  - (i) A majority of the subscribed shares shall be held by nationals of the Eligible source Countries.
  - (ii) A majority of the full-time directors shall be nationals of the Eligible source Countries;
  - (iii) Such firms shall be incorporated and registered in the Eligible source countries.
- (d) Prior approval of OECF shall also be obtained of the following documents for employment of the consultants :—
  - (i) Terms of Reference.
  - (ii) Short List of Consultants.
  - (iii) Letter of Invitation.
  - (iv) Evaluation Report including summary Evaluation Sheet.
  - (v) Draft contract.
- (e) The following declaration as to the eligibility of the consultant, signed and dated by the consultant, shall be attached to each contract :

“I, the undersigned, hereby certify that,—  
 (name of the firm) has been incorporated and registered in ——— (name of the Eligible source country concerned), and is an eligible consulting firm, ——— percent (%) ——— of the subscribed shares being held by nationals of ——— (name of the Eligible source countries concerned and ——— percent (%) of the fulltime directors being nationals of ——— (name of the Eligible source countries concerned)”

- (f) the application/document mentioned in (a) (I) (a) (ii), (b) and (d) above will be submitted by the importer to Deptt. of E. A. in duplicate, for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 42 & ID-P. 46 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of supplier.

The suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty percent (50%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae:

#### IMPORTED CIF PRICE + IMPORT

Duty  $\times$  100 Suppliers FOB Price, (in case of Indian Supplier, Ex-factory price shall be adopted)

II (vii) Declaration in contract.

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in ..... (name of the eligible source country).

I the undersigned further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty percent (30%) in accordance with the following formulae:

#### IMPORTED CIF PRICE + IMPORT

Duty  $\times$  100 Supplier's FOB Price

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that ----- (Name of Company) has been incorporated and registered in ----- (Name of eligible source country, and is controlled by Nationals of ----- (name of eligible source countries concerned)"

#### Section III- Conditions to be incorporated in the supply Contracts.

III (i) The following provisions should specifically embodied in the supply contract:

(a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 18th March, 1987 concerning the Yen Credit No. ID-P. 42 and ID-P. 46 dt. 10-2-1988 (Project Aid) for the Assam Gas Turbine Power Station and Transmission Line Construction Project.

(b) Payments to the suppliers shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P. 42 and ID-P. 46 dt. 10-2-88 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

(c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on one hand and the OECF on the other.

(d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.

(e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

#### Section IV : Review of Contract by OECF.

IV (i) Within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L. A" in the form in Annexure-II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also supply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Deptt. of EA) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A

copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of E. A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L. A." and photocopy of import Licence.

#### Section V—Payment to the Overseas suppliers-Letter of Credit Procedure

V (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the Importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of Credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to Services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letter of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would so facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo which will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth percent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the re-imbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas supplier to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

#### V (v) Reimbursement procedure.

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

#### Section VI—Responsibility for rupee deposit.

The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S. B. I. Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalent of the Yen payment calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12% per annum for the first 30 days and @ 18% per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i. e. the day on which payment is made to the Overseas supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)74 dated 31-5-74 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)76 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangement to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial of full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC(PN)74 dated 3-8-1974 and 8-ITC(PN)76 dated 17-1-76 or as may be notified by Government from time to time through public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the sary. It will be the responsibility of the Indian Bank rate of interest will be notified as and when neces-



concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further L/S to him may be stopped and the matter reported to the CC&E so that no further report licence is issued to such an importer. The head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-813-Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan-Yen Credit No. I.D. P.42 & I.D. P. 45 for the Assam Gas Turbine Power Station and Transmission Line Construction Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 24-10-68, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-71, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the Column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challan :-

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from

the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance, (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

### Section VIII—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence.

The importer should send a monthly report, after the letter of Credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid and Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament St., N. Delhi.

VIII (ii) Notifying suppliers of Special Conditions

The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contracts.

VIII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P. 42 and ID-P. 46 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach or violation.

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures.

Annexure—I : List of eligible source countries.

Annexure—II : Request for issue of Letter of Authority.

Annexure—III : Form of Letter of Authority.

Annexure—IV : Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure—V : Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

## ANNEXURE I

## III. AMERICA, North end

## LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES.

## A. Developing countries and Territories.

## (a1) Non-OPEC Developing Countries

## I AFRICA, North of Sahara

Egypt  
Morocco  
Tunisia

## II. AFRICA, South of Sahara

Angola  
Benin  
Botswana  
Burundi  
Cameroon  
Cape Verde Islands  
Central African Rep.  
Chad.  
Comoro Islands  
Congo, People's Republic  
of Dahomey  
Equatorial Guinea (1)  
Ethiopia  
Gambia  
Ghana  
Guinea  
Ivory Coast  
Kenya  
Lesotho  
Liberia  
Malagasy Republic  
Malawi  
Mali  
Mauritania, Mauritius  
Mozambique.  
Niger.  
Portuguese Guinea.  
Reunion  
Rhodesia  
Rwanda  
St. Helena and Dep (2)  
Sao Tome and Principe  
Senegal  
Seychelles  
Sierra Leone  
Somalia  
Sudan.  
Swaziland  
Terra, Afars and Issas  
Togo  
Uganda  
Un. Rep. of Tanzania  
Upper Volta  
Zaire Republic  
Zambia.

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

(2) Including the following islands : Ascension, Tristanda Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

Court.  
Bahamas  
Barbades  
Belize  
Bermuda  
Costa Rica  
Cuba  
Dominican Republic  
El Salvador  
Guadeloupe  
Guatemala  
Haiti  
Honduras  
Jamaica  
Martinique  
Mexico  
Netherlands Antilles  
Nicaragua  
Panama  
St. Pierre & Miquelon  
Trinidad and Tobago.

## III. AMERICA, North &amp; Central.

## West Indies (Br) n. i. c.

(a) Associated States (1)

(b) Dependencies (2)

## IV. AMERICA, South

Argentina.  
Bolivia  
Brazil  
Chile  
Colombia  
Falkland Islands  
French Guiana  
Guyana  
Paraguay  
Peru  
Surinam  
Uruguay

## V ASIA, Middle East

Bahrain  
Israel  
Jordan  
Lebanon  
Oman  
Syrian Arab Republic  
United Arab Emirates (3)  
Yemen Arab Republic  
Yemen, People's D. R. (4)

1. Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts. (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.

2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and St. Vincent.

3. Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.

4. Including Aden and various sultanates and emirates.



## VI. ASIA, South

Alghanistan  
Bangladesh  
Bhutan  
Burma  
India  
Maldives  
Nepal  
Pakistan  
Sri Lankan

Ecuador  
Venezuela  
Iran  
Iraq  
Kuwait  
Qatar  
Saudi Arabia  
Abu Dhabi  
Indonesia

## VII. ASIA, Far East.

Brunei  
Hong Kong  
Khmer Republic  
Korea, Republic of  
Laos  
Macao  
Malaysia  
Philippines  
Singapore  
Taiwan  
Thailand  
Timor  
Viet-Nam, Rep. of  
Vietnam, Dem. Rep.

## VIII. OCEANIA.

Cook Islands  
Fiji  
Gilbert & Ellice Is.  
French Polynesia (5)  
Nauru  
New Caledonia  
New Hebrides (Br. and Fr.)  
Niue  
Pacific Islands (US) (6)  
Papua New Guinea  
Solomon Islands (Br.)  
Tonga  
Wallis and Futuna  
Western Samoa.

## IX. EUROPE.

Cyprus  
Gibraltar  
Greece  
Malta  
Spain  
Turkey  
Yugoslavia

## (a2) Member of Association Countries of OPEC.

Algeria  
Bolivia  
Libyan Arab Republic  
Gabon  
Nigeria

5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.

6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam)

## ANNEXURE-II

## REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No. \_\_\_\_\_ Date : \_\_\_\_\_

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
UCO Bank Building, 1st Floor,  
Parliament Street,  
New Delhi-110001.

Sub : Import of \_\_\_\_\_ From \_\_\_\_\_ under the  
Yen Credit No. ID-P, \_\_\_\_\_ (project Aid  
for 198-8).

Sir,

In connection with the import \_\_\_\_\_ from  
\_\_\_\_\_ under the above mentioned Yen Credit No.  
ID-P, \_\_\_\_\_ (Project Aid) We furnish the follo-  
wing particulars to enable you to issue the Letter of  
Authority to the \_\_\_\_\_ (Name of the Bank)  
which should be the same as given in (P) for  
opening a letter of Credit in favour of the over-  
seas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the importer licence and date upto which is is valid.
- (c) Method of procurement-whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) percentage of the import components from noneligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen) if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas supplier :

- (l) Payment terms and probable dates of which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's Bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers/supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the matter and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

### ANNEXURE III

(Letter of Authority Form)

F. No.

Government of India

Ministry of Finance

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,  
Tokyo Branch  
Tokyo (Japan).

Sub : Import under Yen Credit (Project Aid) Loan Agreement No. ID-P, ----- Issue of Letter of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-1980—entered into with your Bank, you are hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for a amount not exceeding Yen ----- favouring M/s. ----- as per attached details.

2. A copy of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to ----- (Name and address of the importer's Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and changes of overseas supplier bankers if any, are to be borne by the overseas supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the supplier/importer directly. No reimbursement of such charge is to be claimed from the OECF.

6. As and when payment is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid up to -----.

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,  
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer ————— with reference to their letter No. ——— dated ———.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery or the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. (i) Importer's Banker ..... This has reference to Import Licence No. .... dated ....., This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen Credit. The licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2. (ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas supplier on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas supplier in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN) 76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government of India account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN) 83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i. e. the day on which payment is made to the overseas suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 181-ITC(PN) 68 dated 30-8-1968, 233-ITC(PN) 68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN) 74 dated 31-5-1974 and No. 163-ITC(PN) 76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits—Deposits for purchases etc. abroad under purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan ————— billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. —————for 1988)

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter given full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-I.

In cases where the rupee equivalent are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the suppliers and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Code Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

## ANNEXURE—IV

Form OECF—LC I

Irrevocable Letter of Credit  
(Applicable for goods)

Date: \_\_\_\_\_

To \_\_\_\_\_ This letter of Credit has been  
issued pursuant to Loan  
Agreement No. \_\_\_\_\_  
Dated \_\_\_\_\_  
between (Borrower) and THE  
OVERSEAS ECONOMIC  
COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our Irrevocable credit  
No. \_\_\_\_\_ in your favour for account  
of \_\_\_\_\_ for a sum of sums not exceeding  
an aggregate amount of Yen \_\_\_\_\_  
(Say yen \_\_\_\_\_) available by your drafts  
at sight for full invoice value drawn on us, to be accom-  
panied by the following documents:

Signed commercial invoice in full set of clean on board  
ocean bills of lading made out to order and blank endorsed  
and marked "Freight and Notify" Other documents

evidencing shipment of (brief description of goods to be  
shipped referring to Contract No. \_\_\_\_\_ (if any)  
from \_\_\_\_\_ to \_\_\_\_\_ Partial shipments are  
permitted. Transshipment is \_\_\_\_\_ permitted.  
Bills of lading must be dated not later than Drafts must be  
presented for negotiation not later than \_\_\_\_\_

All Drafts and documents under this credit must be  
marked "Drawn under \_\_\_\_\_ Irrevocable  
credit No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_  
and Import Reference No. (s) \_\_\_\_\_ (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in  
compliance with the terms of the credit shall be duly honoured  
on the presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to  
"Uniform Customs and Practice for Documentary Credits  
(1974 Revision), International Chamber of Commerce Bro-  
chure No. 290."

## Special Instructions to the negotiating banks

1. After obtaining the reimbursement for our payments  
from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERA-  
TION FUND in accordance with the provisions of the  
Letter of Commitment issued thereby under the above-  
mentioned Loan Agreement, we undertake to remit  
the amount of the drafts in accordance with instruc-  
tions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one  
complete set of documents to us together with the cer-  
tificate stating that the remaining documents have been  
airmailed direct to \_\_\_\_\_

3. All banking charges under this credit are for the acc-  
ount of importer/supplier.

Yours faithfully,

\_\_\_\_\_  
(a commercial bank)

By:-

(Authorised Signature)

## PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our  
Letter of Credit No. \_\_\_\_\_

## I. Initial Payment

Amount : Yen \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total contract  
price.

Required documents:

Latest presentation date:

## II. Intermediate Payment (if any)

Amount : Yen \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total contract  
price.

Required documents:

Latest presentation date:

## III. Payment against shipping Documents

Amount: Yen \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total contract  
price.

Note : This attached sheet is not required in case of full  
payment against shipping documents.

## ANNEXURE— V

Form OECF-LC II

Irrevocable Letter of Credit  
(Applicable for Services)

To \_\_\_\_\_

Date: \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_ This letter of Credit has been  
issued pursuant to Loan Agree-  
ment No. \_\_\_\_\_

(Name and address of \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_  
the Supplier) between (Borrower) and

THE OVERSEAS ECONOMIC  
COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit  
No. \_\_\_\_\_ in your favour for account  
of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount)  
of Yen \_\_\_\_\_ (Say Yen \_\_\_\_\_  
available by beneficiary's drafts at sight for full Statement  
value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accor-  
dance with the Payment Schedule attached hereto, concern-  
ing (Contract No. \_\_\_\_\_ with regard to  
\_\_\_\_\_ Project) Drafts must be present-  
ed for negotiation not later than \_\_\_\_\_

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. \_\_\_\_\_".

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instruction to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Your faithfully,

\_\_\_\_\_  
(a commercial bank)

By: \_\_\_\_\_  
(Authorized Signature)

#### PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. \_\_\_\_\_.

#### I. Initial Payment

Amount : Yen \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_% of the total contract price. Required documents : beneficiary's Statement

Latest presentation date : \_\_\_\_\_

#### II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_% of the total contract price to be paid as follows  
Amount due Latest presentation \_\_\_\_\_

1st Instalment : Yen \_\_\_\_\_

2nd Instalment : Yen \_\_\_\_\_

Required document : A copy of State of Performance issued by (Borrower or its designated authority), a form of which is attached hereto.

Statement of performance

Date : \_\_\_\_\_

Ref. No. \_\_\_\_\_

To \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_  
(Name and address of the supplier)

Re : Letter of Credit No. \_\_\_\_\_, dated \_\_\_\_\_, issued by \_\_\_\_\_ for Yen \_\_\_\_\_ in favour of \_\_\_\_\_ concerning \_\_\_\_\_ Project under Loan Agreement No. \_\_\_\_\_.

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle \_\_\_\_\_ to receive the sum of Yen \_\_\_\_\_ (yen only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. \_\_\_\_\_, dated \_\_\_\_\_, between \_\_\_\_\_ and \_\_\_\_\_.

\_\_\_\_\_  
(Borrower)

By :

\_\_\_\_\_  
(Authorized Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.



